# रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 89 इंदौर, शुक्रवार 28 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION


# अमेरिका-यूरोप में टेस्ला कार जला रहे

## ● भारत लाने की तैयारी 2025 में मस्क को 11 लाख करोड़ का नुकसान

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** बिजनेसमैन इलॉन मस्क की नीतियों से नाराज अमेरिका और यूरोप के लोग उनकी इलेक्ट्रिक कार टेस्ला को जला रहे हैं। पिछले बीते चार महीने में 100 से ज्यादा टेस्ला कारों में आगजनी या तोड़फोड़ की गई। यह सब घटनाएं ऐसे समय पर हो रही हैं, जब जल्द ही टेस्ला के इंडियन मार्केट में एंट्री की खबरें हैं।

अमेरिका और यूरोप में टेस्ला कारों में आगजनी से मस्क और उनकी कंपनी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने 25 मार्च को टेस्ला पर हमलों की जांच के लिए एक विशेष टास्क फोर्स की घोषणा की है। बर्लिन

के स्टेगलिट्ज शहर में 14 मार्च को 4 टेस्ला कारों को जला दिया गया।

### टेस्ला का बायकाट क्यों कर रहे लोग

- **सरकारी कर्मचारियों की छंटनी से मस्क के खिलाफ नाराजगी-** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इलॉन मस्क को सरकारी विभाग में सुधार के लिए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का प्रमुख बनाया है। यह डिपार्टमेंट सरकारी खर्च में कटौती पर जोर दे रहा है। मस्क के डिपार्टमेंट ने खर्च में कटौती के लिए करीब 20 हजार लोगों को सरकारी नौकरियों से निकाल दिया है, जबकि 75 हजार लोगों ने बायआउट (मर्जी से नौकरी छोड़ना) का फैसला किया है।
- **मस्क पर दक्षिणपंथी पार्टियों को समर्थन देने का आरोप-** मस्क ने बीते कुछ महीनों में यूरोप की कई दक्षिणपंथी पार्टियों को सपोर्ट दिया है। इसे लेकर उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर नाराजगी दिखी है। ब्रिटेन- मस्क ने जनवरी ने ब्रिटिश किंग चार्ल्स से संसद को भंग करने की अपील की थी।

उन्होंने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर पर आरोप लगाया था कि 15 साल पहले जब वे पब्लिक प्रॉसिक्यूशन के डायरेक्टर थे, तब वे रेप पीड़िताओं को सजा दिलाने में नाकाम रहे थे। जर्मनी- मस्क ने जर्मन चुनाव में दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फर डयूशलैंड का समर्थन किया था। फ्रांस- मस्क ने अभी तक खुलकर फ्रांस की किसी दक्षिणपंथी पार्टी का सपोर्ट नहीं किया है, लेकिन यूरोप के मामलों में दखल देने से फ्रांस में भी नाराजगी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन में नवदम्पतियों को चेक भेंट किए। विवाह सम्मेलन में कन्या पूजन, विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

### सीएम यादव ने झाबुआ -

# आलीराजपुर में नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

## ● कहा- अपनी बेटी दे रहा हूं, गड़बड़ हुई, तो जवाबदारी तुम्हारी होगी

**आलीराजपुर (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को झाबुआ और आलीराजपुर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। सबसे पहले वे झाबुआ पहुंचे। यहां उन्होंने 1935 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे आलीराजपुर रवाना हो गए। जहां पर उन्होंने 1369 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहा- अलीराजपुर में हीरा उद्योग को बढ़ावा देंगे, जबकि झाबुआ में मेडिकल कॉलेज बनाने का वादा किया। झाबुआ में सीएम ने पहले वर-वधू को नए जीवन की शुरुआत करने की बधाई दी। सीएम ने कहा कि बेटो- मैं अपनी बेटी दे रहा हूं, कोई गड़बड़ मत करना। सारी जवाबदारी तुम्हारी होगी। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन सबसे बड़ा होता है। सात फेरे सात जन्मों का बंधन होता है। विवाह एक-दूसरे पर विश्वास है। सनातन में विवाह एग्रीमेंट नहीं है। यह परस्पर एक-दूसरे का विश्वास है। सीएम डॉ. यादव मंच पर आदिवासी वेशभूषा में हाथ में तीर-धनुष लिए हुए।

सीएम यादव ने कहा- 11 करोड़ रुपए सरकार की ओर से दिया जाएगा। 50 हजार प्रति जोड़ा दिया जाएगा। इसके अलावा, क्षेत्र के विकास के लिए जो बन पड़ेगा, सरकार करेगी।

**सीएम ने आलीराजपुर में युवाओं को रोजगार देने का किया वादा-** सीएम डॉ. यादव ने कहा- आलीराजपुर के विकास के लिए विशेष योजना बनाई गई है।

यहां हीरा उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे। झाबुआ में एक नया मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा।

# स्पेस पॉलिसी के निर्माण और प्रदेश में इसरो के केंद्र के लिए होंगे प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## ● प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर रहा नेतृत्व ● मुख्यमंत्री ने की राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में वर्चुअल भागीदारी

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति के अनेक रहस्य सुलझाने की क्षमता विज्ञान में हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अनेक क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। फार्मिंग से लेकर फायनेंस तक मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर मेडिसिन तक और एजुकेशन से लेकर कम्यूनिकेशन तक प्रत्येक क्षेत्र का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत एक दशक में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है। राष्ट्र में एक नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की विजनरी

नीति का ही परिणाम है कि भारत डिफेंस और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में गलोबल लीडर बन रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही स्पेस पॉलिसी बनाई जाएगी। प्रदेश में इसरो के केंद्र की शुरूआत के लिए भी मंथन प्रारंभ किया गया है। हाल ही में जीआईएस के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित 4 नीतियों को लागू करने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

**मध्यप्रदेश को बनाएंगे टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रदेश को टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। हाल ही में इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट अर्थात स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग करते हुए इतिहास रच दिया है। इसके लिए इसरो की टीम बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। प्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है। मध्यप्रदेश में ड्रोन के माध्यम से राजस्व के क्षेत्र में भी नक्शे बनाने की शुरूआत की गई है। रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण का पायलेट प्रोजेक्ट शुरू हुआ।

# नगरीय निकाय अप्रारंभ कार्यों को तत्काल शुरू कराएं- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर नगरीय निकाय स्वीकृतशुदा अप्रारंभ कार्यों को तत्काल शुरू कराएं। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिये। इस अवसर पर कलेक्टर ने लोक निर्माण, पीआईयू, मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत वितरण कंपनी, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, शिक्षा, शहरी विकास अभिकरण तथा स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की।नगरीय निकायों के निर्माण कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने सभी सीएमओ को निर्देश दिये कि काम नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड करें। साथ ही ऐसे कार्य जो किन्ही कारणों से शुरू नहीं हो पा रहे है, उन्हें निरस्त करें। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान समय कार्यों के लिए आदर्श है, कार्यों को शीघ्र पूरा कराएं। किसी भी कार्य के लिए स्वीकृत राशि लेप्स नहीं होना चाहिये, इसका ध्यान रखें। मक्सी नगर परिषद मियावाकी वन लगाने के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करें।

1 जज कैश केस-सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, FIR दर्ज करने की मांग; हाईकोर्ट जज पर क्रिमिनल केस चलाने CJI की परमिशन वाले फैसले को भी चुनौती

2 कठुआ एनकाउंटर- 3 आतंकी ढेर, 3 जवान शहीद, घायल DSP एयरलिफ्ट; जैश के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने गोलीबारी की जिम्मेदारी ली

3 केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'राहुल गांधी सदन के अंदर हास्यास्पद चीजें करते हैं, यह हम सभी ने देखा-सुना है। राहुल हमारे सबसे अच्छे कंपेनर हैं। वह जितना बोलें उनका स्वागत है। हम तो चाहते हैं कि सदन के अंदर, सदन के बाहर और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में वह जाकर बोलें लेकिन दुर्भाग्य यह है कि इससे देश को बहुत नुकसान होता है।

4 गोयल ने कहा कि 'सदन की कार्यवाही नियम एवं प्रक्रियाओं से चलती है। नेता प्रतिपक्ष के कुछ विशेष अधिकार हैं, हम इनका सम्मान करते हैं। लेकिन यदि किसी विषय या मुद्दे पर कार्यवाही चल रही है तो एलओपी उसे केवल इसलिए नहीं बाधित कर सकते कि उन्हें बोलना है। ऐसे में स्पीकर को फैसला करना पड़ता है। हमारे लिए तो राहुल गांधी का बोलना

# भोपाल में बीजेपी का बड़ा मिशन: 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' वर्कशॉप, मोदी के फ्यूचर लीडर्स की होगी ट्रेनिंग

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्यूचर लीडर्स की ट्रेनिंग के लिए 29 और 30 मार्च को भोपाल में दो दिवसीय वर्कशॉप आयोजित होगी। इस खास वर्कशॉप को 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' नाम दिया गया है। इसमें देशभर से चयनित प्रोफेशनल्स को बीजेपी की नीतियों, विचारधारा और कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रोफेशनल्स को राजनीति में लाने की तैयारी बीजेपी इस वर्कशॉप के जरिए इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सोशल वर्कर, स्टार्टअप फाउंडर, युवा उद्यमी, पत्रकार, पूर्व सैनिक, आईआईटीयन और महिला उद्यमियों को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करेगी।

वरिष्ठ नेताओं की होगी भागीदारी

इस ट्रेनिंग कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद बांसुरी स्वराज, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा मार्गदर्शन देंगे। 29 मार्च को तीन सत्र और 30 मार्च को छह सत्र होंगे। हर सत्र को अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जहां प्रतिभागियों को राजनीति, नेतृत्व कौशल और संगठनात्मक कार्यशैली से अवगत कराया जाएगा। यह वर्कशॉप बीजेपी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने की रणनीति का अहम हिस्सा है। इससे नए शिक्षित, प्रोफेशनल और दक्ष व्यक्तियों को राजनीति से जोड़कर पार्टी के विस्तार और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है।

# सपा सांसद के बयान पर करणी सेना का उग्र विरोध!

## गोमूत्र से शुद्धिकरण, जूते से पिटाई, फिर पुतला दहन – इंदौर में गरजा राजपूत समाज

**इंदौर।** पूरे देश भर में उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के महाराणा सांगा को लेकर दिए बयान के विरोध में राजपूत समाज सहित अन्य सामाजिक संगठनों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में इंदौर शहर के बीच राजवाड़ा पर सांसद सुमन के पुतले को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने पहले गोमूत्र पिलाया फिर चप्पल जूते से पिटाई कर दहन किया। उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा मेवाड़ गौरव महाराणा सांगा के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया जिसके बाद राजपूत समाज से लेकर तमाम सामाजिक संगठन सड़कों पर उतरकर देशभर में प्रदर्शन कर रहा है।

# मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी का खुला कबूलनामा!

## जीतू पटवारी ने मंच से जोड़े हाथ, बोले- मतभेद भुलाओ, कांग्रेस बचाओ!

**भोपाल।** मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी का जिन्न एक बार फिर बाहर निकल आया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मंच से हाथ जोड़कर नेताओं से मतभेद खत्म करने की अपील की है। वहीं पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहले मंच पर बैठे नेताओं को पंजा लड़ाई बंद करना चाहिए। पुरानी बातें छोड़कर आगे बढ़ने की बात कही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंच से नेताओं से गुटबाजी खत्म करने की अपील की है। पटवारी ने हाथ जोड़ते हुए कहा कि सारे सीनियर नेता पुरानी बातें भूलें। पिछली बार के छिलके उतारते रहे तो हमारा भविष्य उज्जवल नहीं होगा। अजय सिंह, राजेंद्र सिंह और सिद्धार्थ कुशवाहा आप तीनों से हाथ जोड़कर निवेदन है पिछली बातें भूल जाएं और पार्टी का भविष्य बनाएं। दरअसल, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी विंध्य संभाग के दौरे पर है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सतना जिले में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान नेताओं से गुटबाजी को लेकर ये बातें कही है।वहीं पूर्व नेता प्रतिपक्ष व विधायक अजय सिंह ने पुरानी बातें छोड़ आगे बढ़ने की बात कहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां सोचते है नेता आपस में लड़े और कार्यकर्ता ना लड़े। पहले मंच पर बैठे नेताओं को पंजा लड़ाई बंद करना चाहिए। अजय ने कहा कि मैं सतना से लोकसभा चुनाव लड़ा सबको पता है किसने मुझे हराया। वो मंच पर बैठे है। रीवा, सतना का नाम सुन प्रदेश प्रभारी नहीं आता यहां आने पर महासचिव को बुखार आ जाता था।मध्यप्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी सालों से जगजाहिर है। हालंकि कांग्रेस नेता इसे कभी स्वीकार नहीं करते थे। लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक बार फिर खुलेआम नेताओं से मतभेद दूर करने की अपील की है। आपको बता दें कि इससे पहले भी पीसीसी चीफ ने खुलेआम कहा था कि कांग्रेस पार्टी में एक कैंसर है और वो है गुटबाजी का।

# बिना मान्यता के एडमिशन लिया तो होगी बड़ी कार्रवाई, कॉलेज-यूनिवर्सिटी पर दर्ज होगा केस

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि बिना मान्यता के किसी भी छात्र का एडमिशन करना अब सीधे जेल का रास्ता दिखा सकता है। हाईकोर्ट की खंडपीठ (चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन) ने साफ निर्देश दिए कि नए सत्र से पहले सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रक्रिया पूरी करनी होगी, वरना उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों को हर हाल में 31 दिसंबर से पहले अपनी मान्यता रिन्यू करानी होगी। अगर कोई संस्थान तय समय पर रिन्युअल फीस जमा नहीं करता, तो बीसीआई (बार काउंसिल ऑफ इंडिया) सख्त कार्रवाई करेगा।

छात्रों का भविष्य अंधकार में, बिना मान्यता डिग्री बेकार

इस फैसले का संबंध जबलपुर के लॉ स्टूडेंट पंकज भट्ट और अन्य छात्रों की याचिका से है, जिन्होंने कोर्ट में बताया कि उन्होंने सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट, जबलपुर से स्नातक किया, लेकिन स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश ने उनका रजिस्ट्रेशन करने से मना कर दिया। कारण यह था कि कॉलेज की बीसीआई मान्यता पहले ही समाप्त हो चुकी थी और संस्थान ने रिन्युअल फीस जमा नहीं कराई थी। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि अगर किसी संस्थान की मान्यता खत्म हो जाती है, तो उसे अपने पोर्टल पर इसकी स्पष्ट जानकारी देनी होगी। इससे छात्रों को धोखे में रखकर एडमिशन देने की घटनाओं पर रोक लगेगी। इस मामले में हाईकोर्ट ने भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी मिश्रा और उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुपम राजन को रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। दोनों अधिकारियों ने कोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत की। हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद यह साफ हो गया है कि अब बिना मान्यता के एडमिशन देना सीधे कानूनी कार्रवाई और जेल का कारण बन सकता है। संस्थानों को तय समय सीमा में अपनी मान्यता रिन्यू करानी होगी, अन्यथा उन्हें सख्त परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

# एमपी में यूपी की एंबुलेंस से मरीज नहीं, फल ढोए जा रहे! पोल खुली तो चालक भागा

**गुना।** मरीजों और घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए चलाई जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा का शर्मनाक दुरुपयोग सामने आया है। गुना की फल मंडी में उत्तर प्रदेश सरकार की एंबुलेंस से खरबूजा ढोया जा रहा था। जब इस गड़बड़ी का पर्दाफाश हुआ तो चालक मौके से भाग निकला। गुना में जब एक एंबुलेंस संदिग्ध हालत में फल मंडी में खड़ी देखी गई, तो लोगों को शक हुआ। तिरपाल से ढकी इस एंबुलेंस के अंदर झांका गया, तो पता चला कि इसमें मरीज नहीं बल्कि खरबूजे भरे हुए हैं। जैसे ही इसका वीडियो बनाया जाने लगा, चालक के होश उड़ गए और वह तेजी से गाड़ी लेकर वहां से भाग निकला।

यूपी की एंबुलेंस एमपी में, कैसे पहुंची? बड़ा सवाल!

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह एमपी की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार की एंबुलेंस थी। अब सवाल उठ रहे हैं कि यूपी की सरकारी एंबुलेंस एमपी के गुना तक कैसे पहुंची? और इसका इस्तेमाल व्यापारिक गतिविधियों के लिए क्यों किया जा रहा था? सरकार हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत बनाने का दावा करती है, लेकिन यह घटना आपातकालीन सेवाओं की भारी लापरवाही को उजागर कर रही है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या यह किसी बड़े गिरोह का हिस्सा है?

# नगर निगम बजट पर घमासान!

## हंगामे के बीच गूंजे नारे, भाजपा ने निकाली अर्थी - कांग्रेस ने किया गंगाजल से शुद्धिकरण

**रीवा।** नगर पालिक निगम में बजट के दौरान जमकर हंगामा हो गया। कांग्रेस और भाजपा पार्षदों की बीच जमकर झूमा झटकी हुई। बजट के विरोध में जहां भाजपा पार्षदों ने अर्थी निकाली तो कांग्रेस पार्षदों ने गंगाजल से सदन का शुद्धिकरण किया।भाजपा पार्षदों ने कांग्रेस की शहर सरकार पर महापुरुषों के अपमान का आरोप लगाया है। पार्षदों के विरोध के बाद बैठक एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। नगर निगम में कांग्रेस महापौर की अगुआई में बजट रवि तिवारी ने पेश किया। इस पर चर्चा होनी थी लेकिन भाजपा पार्षदों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते नगर निगम का हॉल अखाड़ा बन गया। जमकर नारेबाजी होने लगी। भाजपा और कांग्रेसी पार्षद आमने सामने आ गए। भाजपा पार्षदों ने विरोध जताया है कि देश के महापुरुषों का कांग्रेस सम्मान नहीं कर रही है। पार्षदों ने जमकर हंगामा किया, कुछ पार्षद हॉल में ही धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। इतना ही नहीं भाजपा पार्षदों ने बजट की अर्थी निकल कर विरोध जताया।इसके जवाब में कांग्रेस पार्षदों ने नगर निगम का शुद्धिकरण करने के लिए गंगाजल का छिड़काव किया। महापौर अजय मिश्रा का आरोप है कि पार्षदों के पास कोई मुद्दा नहीं है। महापुरुषों के अपमान की बात कह रहे है लेकिन इनकी सरकार में महापुरुषों की प्रतिमा तक नहीं लगी है। लेकिन अब कांग्रेस का महापौर बनने के बाद प्रतिमाएं लगाई जा रही है उनका मान सम्मान किया जा रहा है। भाजपा के पार्षद इसे अपमान कह रहे है। जनता के बजट की अर्थी निकलना निंदनीय है।

# फिर बड़ा घोटाला, अब PWD में 7 करोड़ का भ्रष्टाचार

**शिवपुरी ।** घोटालों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सहकारी बैंक, उर नदी प्रोजेक्ट और संबल योजना के बाद अब क्षुद्ध में 7 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ है। इस मामले में क्षुद्ध के कार्यपालन यंत्री डीएस यादव सहित 15 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। डीएस यादव के पास शिवपुरी और ग्वालियर दोनों जिलों का चार्ज है। कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा मध्य प्रदेश के पत्र से यह पूरा मामला उजागर हुआ है। जानकारी के मुताबिक 2018 से 2023 के बीच ट्रेजरी से 7 करोड़ रुपये का भुगतान कपटपूर्ण तरीके से क्षुद्ध में पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी गोरब श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारियों के खातों में किया गया। इस मामले में 2018 से 2023 तक शिवपुरी में पदस्थ रहे कार्यपालन यंत्रियों और अन्य अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई है। मामले के उजागर होने के बाद से वर्तमान कार्यपालन यंत्री डीएस यादव ऑफिस से नदारद हैं और उनका फोन भी बंद है। सिटी कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया है। इस घोटाले में आरोपी बनाए गए पांच कार्यपालन यंत्रियों में से चार सेवानिवृत्त हो चुके हैं। शिवपुरी जिले में हाल के वर्षों में कई बड़े घोटाले सामने आए हैं। सहकारी बैंक में 100 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार, उर नदी प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपये की गड़बड़ी और संबल योजना में मृत घोषित कर करोड़ों रुपये का गबन किया गया। अब क्षुद्ध का नया घोटाला सामने आने से जिले में हड़कंप मचा हुआ है। इन घोटालों में अधिकतर मामलों में आउटसोर्स से रखे गए कंप्यूटर ऑपरेटर की मुख्य भूमिका रही है। सवाल यह उठता है कि क्या इन घोटालों में शामिल बड़े अधिकारियों पर कोई सख्त कार्रवाई होगी या मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 28 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

# PWD में 7 करोड़ का वेतन घोटाला

## शिवपुरी में 5 इंजीनियर समेत 15 लोगों पर केस लॉगिन-पासवर्ड लीक कर की धोखाधड़ी

**ऋषि गोस्वामी**

**शिवपुरी। लोक निर्माण विभाग में 7 करोड़ रुपये के वेतन घोटाले का मामला सामने आया है। ट्रेजरी विभाग के एटीओ व बाबू की शिकायत पर कोतवाली थाने में 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।**

मामले में पीडब्ल्यूडी के वर्तमान कार्यपालन यंत्री धर्मेंद्र यादव और 4 पूर्व कार्यपालन यंत्री आरोपी हैं।

इनमें ओमहरि शर्मा, जीबी मिश्रा, बीएस गुर्जर और हरिओम अग्रवाल शामिल हैं। इनमें से चार अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज संभागीय लेखाधिकारी एचके मीना, संजय शर्मा और वैभव गुप्ता को भी आरोपी बनाया गया है। विभाग के बाबू दयाराम शिवहरे और प्रेमनारायण नामदेव के साथ आउटसोर्स कर्मचारी गौरव श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, शाहरुख खान और नसीम खान पर भी केस दर्ज हुआ है। धूलजी एवं सरिता देवी समाज सुधार समिति भी आरोपियों में शामिल है।

### 2018 से 2023 के बीच हुआ घोटाला

डिप्टी कलेक्टर अनुपम शर्मा की जांच में पता चला कि ये घोटाला 2018 से 2023 के बीच हुआ। कार्यपालन यंत्रियों ने अपने लॉगिन और पासवर्ड अनाधिकृत व्यक्तियों को दे दिए। इसका इस्तेमाल कर आरोपियों ने गलत तरीके से वेतन भुगतान किया और सरकारी धन का गबन किया। इस घोटाले का खुलासा आयुक्त कोष एवं लेखा भोपाल की जांच में हुआ।

# साढ़े 6 साल के नन्हे इज़ान ने रखा पहला रोज़ा

**रंजीत टाइम्स**

**हाटपीपल्या।** पूरे विश्व में रमजान का पवित्र माह चल रहा है । जिसमें बड़े बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चे भी सादगी और हर्षोल्लास के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, जिनका उत्साह देखने लायक है । रमजान माह के 25 रोज हो चुके हैं और दिन में लगभग 13 घंटे का रोज रहता है । इसी के चलते नगर हाटपीपल्या के वरिष्ठ पत्रकार मरहूम इक़बाल अहमद पठान के पोते व डॉक्टर परवेज़ मंसूरी के बेटे इज़ान मंसूरी ने रमजान माह का 23वा और अपनी जिंदगी का पहला रोजा रखा और दिन भर अल्लाह की इबादत की और पूरे विश्व में अमन चैन के लिए दुआ की । इज़ान मंसूरी के पहला रोजा रखने पर नाना डॉक्टर सईद मंसूरी, बड़े दादा पूर्व पार्षद हाजी अब्दुल सलाम मंसूरी, हाजी अब्दुल हमिद मंसूरी, अब्दुल हफीज मंसूरी, चाचा गुलरेज़ मंसूरी, खालू सलमान मंसूरी, फूफा जी जावेद मंसूरी, इमरान मंसूरी, मामू अरशद मंसूरी आदि ने मुबारकबाद देकर दुआओं से नवाज़ा । साथ ही गिफ्ट देकर हौसला अफजाई की।

# 3 वर्ष के कार्यकाल मे जनपद निधि से 50 सामुदायिक भवन कार्य पूर्ण की ओर एवं अन्य कार्य प्रगति पर जनपद अध्यक्ष खानियाधाना-अनीता अरविंद लोधी

**जगदीश पाल**

शिवपुरी-खनियाधाना- जब 3 वर्ष जनपद अध्यक्ष अनीता अरविंद लोधी काम के बारे में उनसे पूछा गया तब उनके द्वारा बताया गया हमारे ग्राम पंचायत पडरा बंडा कमलपुर मानपुर आदि ग्रामों में जनप्रतिनिधि एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति में लोकार्पण किया गया और लगभग जनपद निधि से 50 सामुदायिक भवन एवं अन्य निर्माण कार्य पूर्ण की ओर है और आगामी समय में लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए जो भी बनेगा उसको पूर्ण करने का भरपूर प्रयास किया जाएगा जब अरविंद लोधी विधानसभा पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी पिछोर से आगे चुनाव के बारे में पूछा

गया तो लोधी द्वारा बताया गया की चुनाव लडना पार्टिया तय करती हैं और जीतना ना जितना क्षेत्र के ग्रामवासी चुनाव मेरा बिजनेस नहीं एक जन सेवा का भाव है लोग इसे अपने-अपने नजरिए से देखते हैं और जहां हम जीवन भर उज्जेले कि किरण देखते आए वहां हमें अंधकार मिला और जहां हम अंधेरी रात समझते आऐ वहां कक्काजू साहब एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधिऔर क्षेत्र की जनता द्वारा हमें ऐसे पद से नवाजा गया जो हमारे जीवन में इस उम्र में एक गौरव का विषय है इस मौके पर जनपद उपाध्यक्ष संजय शर्मा जनपद सदस्य मोजीलाल लोधी जनपद सदस्य रचना राम नारायण भार्गव गेंदा दशरथ लोधी नोहर प्रभा सतीश दुवे चंदू पाई संतोष पाठक मानपुर चंद्रावती कोहली अछरोनी अनीता जाटव सरपंच पडरा पूरन सिंह कोली सरपंच बंन्डा कमालपुर कमलेश लोधी सरपंच किरण गुप्ता मानपुर सरपंच द्वारका प्रसाद यादव पूर्व सरपंच रामसेवक लोधी और समस्त ग्राम एवं क्षेत्रवासी आदि उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम...

**वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विदेशों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इनमें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, इन युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है।**

**प्रह्लाद सबनानी**

गत 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है।

संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है।

विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है।

उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है।

संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों यथा चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा निवृत अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकार, प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों का गठन भी किया गया है और आज देश भर में 12,091 संघ मंडलियां भी नियमित रूप से लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं। संघ के स्वयसेवकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विदेशों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इनमें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, इन युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है।

कुल मिलाकर आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू सनातन संस्कृति को भारत के जन जन के मानस में प्रवाहित करने का कार्य करने का प्रयास कर रहा है ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो एवं उनके लिए भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ की शाखाओं में प्रशिक्षित होने वाले स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच में जाकर करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। और, यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने के लिए एक आवश्यक आवश्यकता भी बन गया है।

## संपादकीय

# आखिर मणिपुर में कब थमेगी हिंसा...

मणिपुर में जातीय संघर्ष को दो वर्ष होने आ रहे हैं, मगर अब भी वहां स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा। हालांकि सरकार बार-बार दावा करती है कि वहां स्थिति जल्दी ही सामान्य हो जाएगी, पर इसका कोई संकेत नहीं दिखता। रविवार को इंफाल पूर्वी जिले में फिर दो चरमपंथी गुटों में हिंसक झड़प हो गई, जिससे वातावरण तनावपूर्ण हो गया है। यह घटना ऐसे वक्त हुई जब वहां छह न्यायाधीशों की एक टीम स्थिति का आकलन करने पहुंची थी। उस टीम में गए मैतेई समुदाय से संबंधित, वहां के उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश का इस बात पर दर्द भी छलक उठा कि वे कुकी बहुल इलाके में नहीं जा सकते।

शुरू में राज्य सरकार की शिथिलता और रहस्यमय चुप्पी के चलते वहां जातीय संघर्ष बढ़ता गया और आज हालत यह है कि राज्य का प्रशासन भी मैतेई और कुकी समुदायों में स्पष्ट रूप से विभाजित हो चुका है। कुकी बहुल इलाकों में मैतेई समुदाय के सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी तैनात नहीं किए जाते। यही हाल मैतेई बहुल इलाकों का है।

लंबे समय तक राज्य सरकार की शिथिलता बनी रही और केंद्र सरकार ने भी अपेक्षित पहल नहीं की, तब सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच और निगरानी समितियां गठित कर दी, पर उसे भी काफी वक्त बीत जाने का बावजूद कोई उल्लेखनीय नतीजा सामने नहीं आ सका है।

आखिरकार एक नाटकीय घटनाक्रम में वहां के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह किसी को कमान सौंपने के बजाय राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। तब माना

गया कि केंद्र सरकार के हाथ में वहां की कमान आने के बाद कुछ कड़ाई होगी और चरमपंथी गुटों पर लगाम कसी जा सकेगी, जातीय संघर्ष कुछ थमेगा, पर वह उम्मीद भी धुंधलाने लगी है। मौका पाते ही दोनों समुदायों के चरमपंथी गुट रणनीति के तहत हिंसक हमले कर देते हैं।

उन्होंने भारी मात्रा में आधुनिक हथियार और साजो-सामान जुटा रखे हैं। भौगोलिक रूप से मणिपुर की संरचना थोड़ी जटिल जरूर मानी जा सकती है, मगर चरमपंथी गुटों पर नजर रखना मुश्किल नहीं माना जा सकता। वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं, पर उन इलाकों में भी हिंसक घटनाएं नहीं रुक पा रहीं, जिनमें टकराव की सबसे अधिक आशंका मानते हुए सबसे अधिक सुरक्षाबल तैनात हैं। वहां के चुराचांदपुर और विष्णुपुर जिलों को इसलिए संवेदनशील माना गया और उन दोनों के बीच 'बफर जोन' बना कर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए कि एक मैतेई बहुल है और दूसरा कुकी बहुल। फिर भी इन्हीं जिलों में अधिक चरमपंथी हमलों की घटनाएं होती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि मणिपुर में समस्याएं संवैधानिक तरीके से हल की जा सकती हैं और अगर बातचीत की जाए, तो समाधान तक पहुंचा जा सकता है। यहां कोई भी संघर्ष नहीं चाहता, हर कोई शांति चाहता है। न्यायाधीश गवई वहां गए न्यायाधीशों की टीम के अगुआ हैं। पता नहीं, उनकी इस बात को केंद्र सरकार कितनी गंभीरता से लेगी। यह बात शुरू से रेखांकित की जाती रही है कि अगर दोनों समुदायों से बातचीत की जाए और उनमें फैली गलतफहमियों को दूर कर लिया जाए, तो मणिपुर में शांति बहाली आसानी से हो सकती है। मगर कभी संजीदगी से बातचीत की पहल नहीं की गई। जो प्रयास हुए भी, वे महज कागजी थे।

# कल बजरंग दल दिखाएगा शौर्य कुंभ में अपनी ताकत, मालवा प्रांत से पचास हजार से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल होने की संभावना

## नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम होगा आयोजित, इंदौर में बस्तियों में दी जा रही है दीक्षा

**इंदौर।** इंदौर में कल 29 मार्च को बजरंग दल अपनी ताकत दिखाएगा। स्थानीय नेहरू स्टेडियम में शौर्य कुंभ आयोजित कर रहा है। इसमें हजारों बजरंग दल के कार्यकर्ता बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

बजरंग दल के जिला प्रचार प्रमुख अन्नु गेहलोत ने बताया कि 29 मार्च को नेहरू स्टेडियम में होने वाले बजरंग दल के शौर्य कुंभ की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसमें मालवा प्रांत के साथ इंदौर के कार्यकर्ता सम्मेलन हो रहे हैं। इसके अलावा बस्तियों में त्रिशूल दीक्षा बड़ी संख्या में बजरंगियों द्वारा ली जा रही है। मालवा मिल चौराहे के पास गोमा की फेल में त्रिशूल दीक्षा का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में नए कार्यकर्ताओं को त्रिशूल दीक्षा विभाग मंत्री यज्ञेश राठी की मौजूदगी में दी गई। त्रिशूल दीक्षा की आवश्यकता क्यों है, यह भी राठी ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज के परिदृश्य में हिंदू समाज को स्वयं की रक्षा के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र की भी आवश्यकता है। हमारे इतिहास में अहिंसा को परम धर्म माना है, लेकिन इससे भी आगे आज के युग की बात करें तो धर्म की रक्षा हमें हर हाल में करना है।

राठी ने बताया कि इंदौर विभाग से 25

हजार की संख्या में कुंभ में बजरंगी शामिल होंगे व मालवा प्रांत से पचास हजार से ज्यादा कार्यकर्ता नेहरू स्टेडियम में शामिल होंगे। इंदौर में अलग अलग स्थानों से बजरंग दल कार्यकर्ता पांच-पांच की पंक्ति में संचलन के रूप में नेहरू स्टेडियम में जाएंगे। जहां पर विलुप्त होते पारंपरिक खेल कबड्डी, मलखंभ जैसे खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे खेलों का संवर्धन और उत्थान का संदेश दिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से सभी कार्यकर्ताओं व आमंत्रित सदस्यों की प्रवेशिका बनाई जा रही है, जिससे कार्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। बजरंग दल के कार्यकर्ता गणवेश पहनकर शामिल होंगे और त्रिशूल साथ रहेगा।

# 1 अप्रैल से प्रॉपर्टी की सरकारी गाइडलाइन में भारी वृद्धि, 4972 स्थानों पर स्टाम्प ड्यूटी में 10 से लेकर 274 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

## जनप्रतिनिधियों और किसानों की मांग पर बढ़ी दरें

**इंदौर।** 1 अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइडलाइन के तहत स्टाम्प ड्यूटी में 10 प्रतिशत से लेकर 274 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी की जा रही है। इससे जुड़े सभी प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी के लिए भोपाल मुख्यालय भेजा गया। पंजीयन विभाग ने इस प्रस्तावित गाइडलाइन पर प्राप्त 138 दावे-आपत्तियों का समाधान कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप 70 नई कॉलोनियों को शामिल किया गया है, साथ ही कई गांवों की गाइडलाइन दरों में भी इजाफा किया गया है। अब कुल मिलाकर 4972 स्थानों पर सरकारी जमीन की कीमतें बढ़ जाएंगी और इन्हीं के आधार पर स्टाम्प ड्यूटी वसूली की जाएगी।

### जनप्रतिनिधियों और किसानों की मांग पर बढ़ी दरें

वरिष्ठ जिला पंजीयक अमरेश नायडू के अनुसार, काली बिल्लौद के किसानों ने मांग की थी कि 2016 से गाइडलाइन नहीं बढ़ाई गई है, इसलिए उनकी बात को मान्य किया गया। इसी तरह विधायक मधु वर्मा द्वारा तिल्लौर बुजुर्ग की गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा की गई, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं, जीतू पटवारी और मुकेश पटवारी ने कैलोदकर्तान और वतनखेड़ी गांवों की गाइडलाइन बढ़ाने की मांग की थी, जिसे आंशिक रूप से स्वीकार किया गया है।

### कुल स्थानों की संख्या पहुंची 4972

प्राप्त प्रस्तावों में कुछ अन्य गांवों के साथ-साथ 70 नई कॉलोनियों को भी गाइडलाइन में सम्मिलित करने का सुझाव था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके परिणामस्वरूप अब कुल 310 नई कॉलोनियां गाइडलाइन में शामिल हो चुकी हैं। इस प्रकार 1 अप्रैल से कुल 4972 स्थानों पर जमीन की सरकारी कीमतों में वृद्धि प्रभावी होगी। इसके आधार पर स्टाम्प ड्यूटी का निर्धारण किया जाएगा, जिससे शासन को राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है।

### इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर और अन्य परियोजनाएं शामिल

गाइडलाइन में प्राधिकरण की प्रस्तावित टीपीएस योजनाओं में शामिल जमीनों के अलावा इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर तथा अन्य प्रमुख परियोजनाओं से जुड़ी जमीनों को भी शामिल किया गया है। स्टाम्प ड्यूटी से शासन को सबसे अधिक राजस्व इंदौर से प्राप्त होता है। चालू वित्त वर्ष में शासन ने 3200 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें से अब तक लगभग 2300 करोड़ रुपए की वसूली हो चुकी है। शेष सप्ताह में अधिक से अधिक रजिस्ट्रियों की संभावना है, जिसके चलते अंतिम 3-4 दिनों में स्लॉटों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

# 3 अप्रैल को पेश होगा इंदौर नगर निगम का बजट, शहर में नहीं लगेगा नया टैक्स

## आठ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा इस साल का बजट

**इंदौर।** इंदौर नगर निगम 3 अप्रैल को बजट पेश कर रहा है। इस साल कोई नया टैक्स तो नहीं लगेगा, लेकिन पिछले बजट में प्रॉपर्टी टैक्स के जो रेट जोन बदले है। उसे इस वित्तिय वर्ष में लागू किया जाएगा। इस साल मास्टर प्लान की सड़क और नर्मदा के चौथे चरण पर नगर निगम का फोकस रहेगा। बजट को लेकर बैठकों का दौर भी जारी है।इस साल का बजट आठ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा। सबसे ज्यादा खर्च जनकार्य विभाग के लिए रखा जाएगा। सिंहस्थ को देखते हुए भी नगर निगम शहर में काम करेगा। 3 अप्रैल को बजट पेश किया जाएगा। उसके बाद 4 अप्रैल को बजट पर चर्चा होगी और उसे बहुमत के आधार पर पारित किया जाएगा। नगर निगम सीमा में जुड़े 29 गांवों के लिए भी निगम बड़ा पैकेज देगा। इन क्षेत्रों में 300 करोड़ से ज्यादा के काम होना है।

### नए टैक्स से बढ़ेगी आय

नगर निगम टैक्स के माध्यम से अपनी आय बढ़ाएगा। नए रेट जोन से निगम को हर साल 11 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। इसके अलावा मनोरंजन कर से भी पांच करोड़ से ज्यादा की कमाई नगर निगम को होगी। जीआरआई सर्वे के आधार पर भी संपत्तिकर बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। शहर में नए निर्माण हो चुके है, लेकिन शहरवासी वर्षों पुरानी स्व निर्धारण कर प्रणाली के आधार पर ही टैक्स देते है। सर्वे के बाद टैक्स में भी बढ़ौत्री होगी।

# कृषि कॉलेज में हंगामा: रैगिंग विवाद बढ़ा, छात्र नेता राधे जाट पर केस, 13 सीनियर पहले ही हुए थे निष्कासित

**इंदौर।** शासकीय कृषि महाविद्यालय में रैगिंग का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। कॉलेज में पदस्थ एक कर्मचारी की शिकायत पर तिलक नगर पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्र नेता राधे जाट के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले यूजीसी को मिली शिकायत के बाद कॉलेज प्रशासन ने 13 सीनियर छात्रों को निष्कासित कर दिया था। कुछ दिन पहले कॉलेज में सीनियर छात्रों द्वारा फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स के साथ दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत यूजीसी तक पहुंची थी। जांच के बाद कॉलेज प्रशासन ने 13 सीनियर छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की, जिसके बाद छात्र भड़क उठे और डीन को हटाने की मांग करने लगे।

### कॉलेज गेट पर छात्रों का जोरदार प्रदर्शन

डीन पर स्टूडेंट्स को टारगेट करने के आरोप लगाते हुए छात्रों ने कॉलेज गेट पर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन विरोध जारी रहा। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने प्रदर्शन कर रहे छात्र नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया। कॉलेज में कार्यरत एक कर्मचारी की शिकायत पर छात्र नेता राधे जाट पर शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया है। उन पर कॉलेज के रास्ते पर जाम लगाने, कर्मचारियों और अधिकारियों को रोकने के भी आरोप हैं। इससे पहले यूजीसी को शिकायत मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने 13 सीनियर छात्रों को निष्कासित कर दिया था। अब छात्र इस कार्रवाई को अन्याय बता रहे हैं और लगातार डीन के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। डीन का कहना है कि रैगिंग मामले में की गई कार्रवाई सही थी, लेकिन अब उन्हें टारगेट किया जा रहा है। दूसरी ओर, छात्र डीन पर मनमानी और छात्रों को निशाना बनाने का आरोप लगा रहे हैं।

# उषा नगर भूखंड घोटाला: सहकारिता विभाग की बड़ी कार्रवाई, संचालक मंडल 6 साल के लिए अयोग्य

**इंदौर।** उषा नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था में हुए बड़े भूखंड घोटाले को लेकर सहकारिता विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने कार्रवाई करते हुए संस्था के संचालक मंडल को पूरे 6 साल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। संचालक मंडल पर आरोप है कि उन्होंने न तो घोटालेबाजों पर कोई कार्रवाई की और न ही फर्जी रजिस्ट्रियां निरस्त कराईं। इस बड़ी गड़बड़ी के चलते अब सहकारिता विभाग ने कठोर कदम उठाया है और पूरी समिति को भंग कर दिया है। यह मामला महू नाका स्थित मराठा और धनगर समाज की पुरानी और प्रतिष्ठित कॉलोनी उषा नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था का है। सहकारिता विभाग ने संस्था के ग्यारह पदाधिकारियों को दोषी ठहराते हुए 6 साल के लिए अयोग्य करार दिया। इनमें उज्जवला बारगल, सरयू वाघमारे, चंद्रसेन सोनोने, रविन्द्र सोमवंशी, शंकर जाधव, अशोक आमणापुरकर, बालचंद्र होलकर, विनोद गावड़े, रविन्द्र लाभान्ते, पुरुषोत्तम वाघमारे और सुनंदा भांड शामिल हैं।

### दोषियों के खिलाफ अन्य संस्थाओं में भी कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इनमें से कई आरोपी शहर की अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी पदाधिकारी हैं। अब सहकारिता विभाग के इस आदेश के बाद अन्य संस्थानों को भी इन दागी लोगों को पद से हटाना चाहिए। संस्था के सदस्य किशोर धाईवुड़े ने बीते 5 सालों में तमाम सबूत जुटाकर सहकारिता विभाग में शिकायत की थी। 2023 में कारण बताओ नोटिस भी जारी हुआ, लेकिन संचालक मंडल के सदस्य सुनवाई में शामिल नहीं हुए। जांच में यह भी सामने आया कि एक ही परिवार के सदस्यों को कई भूखंड आवंटित कर दिए गए और कई अपात्र लोगों के नाम पर भी रजिस्ट्रियां करवा दी गईं। सहकारिता विभाग ने साफ कर दिया है कि संस्था में घोटाला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके अलावा अन्य संस्थानों पर भी नजर रखी जा रही है, जहां ये दोषी सदस्य जुड़े हुए हैं। इस घोटाले से जुड़े अन्य लोगों पर भी जल्द ही और कड़ी कार्रवाई होने की संभावना है।

# आंखों की समस्याओं को गंभीरता से लें

**इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए हमारा साथ देती हैं आंखें। हालांकि अक्सर लोग अपनी आंखों के प्रति काफी ज्यादा हल्के में लेते हैं। आंखों का लाल होना, आंखों से पानी आना, धुंधला दिखना और ड्राई आंखों जैसे लक्षणों को अक्सर मामूली समस्याओं के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, कई लोग इन बीमारियों के लिए घरेलू इलाज कर लेते हैं तो कुछ मेडिकल शॉप से दवाई ले आते हैं। ऐसे में इन परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकांश लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कई मामलों में अगर यूहीं छोड़ दिया जाए तो वे अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकते हैं।**

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट की मानें तो अधिकांश ओकुलर संक्रमण मामूली होते हैं, वहीं दूसरे काफी जटिल होते हैं। अधिकांश मरीज या तो ओकुलर डिस्चार्ज, विजुअल लक्षण, लाल या दर्दनाक आंख के साथ होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रोग और संक्रमण पहले आंख के लक्षण के रूप में हो सकते हैं क्योंकि आंखें शरीर का एकमात्र अंग है जहां न्यूरॉन्स और रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और इसलिए किसी भी बीमारी का पहला लक्षण आंखों में नजर आता है।

## राइनो ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस

आम भाषा में इसे ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है, यह म्यूकोरेल्स के कारण होने वाला एक असामान्य संक्रमण है और इसकी हाई मोर्बिडिटी और मोरटेलिटी रेट। यह मुख्य रूप से डायबिटीज, कैंसर, पोस्ट ऑर्गन ट्रांस्प्लांट के बाद क्रोनिक स्टेरॉयड थेरेपी वाले रोगियों में होता है और हाल ही में इसे गंभीर कोविड संक्रमण वाले पेशेंट में भी देखा गया था। फंगस नाक के जरिए से एंटर करने वाली ब्लड वेसेल्स पर आक्रमण करता है और साइनस और नेसल कैविटी में फैल जाता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये दिमाग तक पहुंच जाता है, जो दिमाग के लिए घातक हो सकता है।

## एस्परगिलोसिस

म्यूकोर्मिकोसिस के समान, ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में होता है और नाक के बाद में दिमाग तक पहुंचता है।

## कंजंक्टिवाइटिस (गुलाबी आंख)

कंजक्टिवा टिश्यू की एक पतली परत होती है जो आंखों के सफेद हिस्से और पलकों के अंदरूनी हिस्से को ढकती है। कंजक्टिवाइटिस को कंजंक्टिवा के संक्रमण या सूजन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसके लक्षण खुजली और पानी बहना है।

## ब्लेफेराइटिस

यह पलकों की सूजन है, और बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, पलकों में तेल ग्रंथियों के बंद होने और स्किन की कुछ स्थितियों के कारण देखा जाता है। किसी को लाल और पलकों की सूजन, जलन और पानी बहता है। आंखों के चारों ओर परतदार स्किन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ब्लेफेराइटिस से अंधापन नहीं होगा, लेकिन यह कई अन्य परेशानियों को पैदा कर सकता है जैसे कि पलकें गिर सकती हैं।

## यूवाइटिस

यह यूविया आईरिस युक्त नेत्रगोलक की मध्य परत की सूजन है। यह सोरायसिस, दाद संक्रमण, या रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियों से जुड़ा है। किसी को धुंधली दिखने, आंखों की लाली और फ्लोटर्स जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

## केराटाइटिस

इसे कॉर्निया की सूजन या संक्रमण के रूप में जाना जाता है। लेंस का दुरुपयोग संक्रमण का कारण हो सकता है। लंबे समय तक लेंस पहनने, उनकी सफाई न करने से कॉर्निया में कीटाणुओं के आने का खतरा बढ़ सकता है। इसका तुरंत इलाज न करने से कॉर्निया पर निशान पड़ सकते हैं और नजरें खराब हो सकती हैं।

# दूध में तुलसी की पत्तियां डालकर पिएं

**दूध पोषण के लिहाज से अमृत के समान है और तुलसी को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कई रोगों से आपकी रक्षा करती है। इन दोनों का मिश्रण कर लिया जाएं, तो पोषण के साथ-साथ सेहत और उससे जुड़े कई फायदे पाए जा सकते हैं। अब जब भी आप दूध पिएं, उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और पाएं यह फायदे -**

- दमा के मरीजों के लिए यह उपाय फायदेमंद है। खास तौर से मौसम में बदलाव होने पर होने वाली सांस संबंधी समस्याओं से बचने के लिए दूध और तुलसी का यह मिश्रण बेहद लाभकारी होता है।
- सिर में दर्द या माइग्रेन की समस्या होने पर यह उपाय आपको रोहत देगा। जब भी माइग्रेन का दर्द हो आप इसे पी सकते हैं, रोजाना इसका सेवन करने से आपकी समस्या भी खत्म हो सकती है।
- तनाव अगर आपके जीवन का भी अभिन्न अंग बन गया है, तो दूध में तुलसी के पत्तों को उबालकर पिएं, आपका तनाव दूर होगा और धीरे-धीरे तनाव की समस्या ही समाप्त हो जाएगी।
- हृदय की समस्याओं में भी यह लाभदायक है। सुबह खाली पेट इस दूध को पीने से हृदय संबंधी रोगों में लाभ पाया जा सकता है। इसके अलावा यह किडनी में होने वाली पथरी के लिए भी अच्छा उपचार है।
- तुलसी में कैंसर कोशिकाओं से लड़ने का गुण होता है, अतः इसका सेवन आपको कैंसर से बचा सकता है। इसके अलावा सर्दी के कारण होने वाली सेहत समस्याओं में भी यह कारगर उपाय साबित होगा।

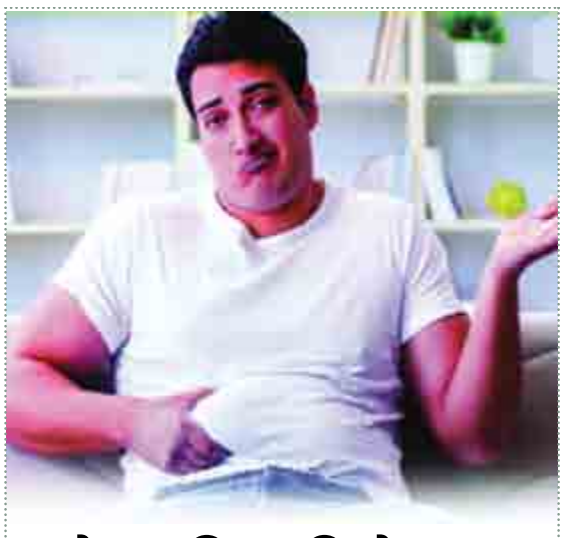

# मेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ा सकता है ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा

**स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।**

पतियों का शौक पत्नियों को बीमार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज की एक स्टडी के मुताबिक सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिसीज) ग्रस्त महिलाओं में से 55 प्रतिशत को यह बीमारी उनके चेन स्मोकर पतियों की वजह से हुई। लगातार धुएं से वह पैसिव स्मोकर बन गईं और खतरनाक सीओपीडी ने उन्हें चपेट में ले लिया। इनमें से ज्यादातर में मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी पाया गया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग की टीम ने यह स्टडी की, जिसमें सीओपीडी के 170 मरीजों को शामिल किया गया। दो साल तक लगातार इन मरीजों पर स्टडी हुई। परिणाम ने यह भ्रम तोड़ दिया है कि धूम्रपान न करने वाले सीओपीडी से बच सकते हैं। स्टडी में 46 फीसदी मरीज नॉन स्मोकर मिले। इनकी उम्र 35 से 87 साल के बीच थी। स्टडी में शामिल नॉन स्मोकर महिलाओं में 55 फीसदी के पति या घर का कोई पुरुष सदस्य चेन स्मोकर निकला। बाकी महिलाएं लंबे समय से बायोमास फ्यूल का इस्तेमाल कर रही थीं।

## सिगरेट छोड़ने के बरसों बाद बीमारी

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 463 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 134 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

## हर मरीज में मिला मेटाबॉलिक सिंड्रोम

स्टडी में सीओपीडी के हर मरीज में मेटाबॉलिक सिंड्रोम मिला। स्टेज वन में कम तो स्टेज टू और थ्री में ज्यादा मरीज मिले। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्टेज फोर में सबसे कम मरीज थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई बीमारी नहीं बल्कि स्थिति है। इसमें शरीर में रोग के कारक बढ़ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अनियंत्रित कोलेस्ट्रॉल इन चारों के संयुक्त रूप को मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की कंडीशन होने पर हाई बीपी की समस्या, हाई शुगर, और कमर पर एक्सट्रा फैट जम जाता है। इसके साथ ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने पर कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य तरीके से बढ़ जाता है। सिंड्रोम के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने से आप इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं।

स्टडी के चीफ गाइड प्रो. सुधीर चौधरी के मुताबिक बीपी, शुगर, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल का असंतुलित होना सिंड्रोम है, जो कई बड़े रोगों की वजह बनता है। हार्ट, किडनी और ब्रेन की बीमारियां हो सकती हैं। किसी भी संक्रमण के लिए ऐसा शरीर आसान शिकार बनता है। मानक से असंतुलन होने पर मरीज को इस सिंड्रोम से ग्रस्त माना जाता है।

स्टडी ने यह साबित किया है कि सीओपीडी नॉन स्मोकर्स को भी हो सकती है। सिगरेट और उसके प्रदूषण के साथ बायोमास फ्यूल एक्सपोजर से सीओपीडी बीमारी मरीजों में मिली। घरेलू महिलाओं ने कभी धूम्रपान नहीं किया, फिर भी उन्हें यह बीमारी मिली ।

# ये तो अन्याय है...! क्विंटन डि कॉक को मिल गया प्लेयर ऑफ द मैच

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** क्रिकेट को बल्लेबाजों का खेल कहा जाता है। नियम से लेकर परिस्थिति ऐसी होती है कि बल्लेबाजों को फायदा मिले। आईपीएल के पिछले कुछ सीजन से बड़े स्कोर दिखने को मिल रहे हैं। लीग के 10 सबसे बड़े स्कोर में से 9 तो पिछले सीजन से लेकर अब तक बन चुके हैं। प्लेयर ऑफ द मैच देने में भी बल्लेबाजों की अहमियत मिलती है। ऐसा ही कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच में भी हुआ।

### क्विंटन डिकॉक प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में केकेआर ने आरआरे को 8 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए राजस्थान की टीम सिर्फ 151 रन बना सकी। जवाब में केकेआर ने 18वें ओवर में रनचेज कर लिया। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 97 रनों की पारी खेली। 61 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 8 चौके और 6 छक्के मारे। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

### राजस्थान को रोकने वाले गेंदबाजों का क्या?

कोलकाता को मिली इस जीत में गेंदबाजों का योगदान सबसे ज्यादा था।

**जीत के असली हीरो थे गेंदबाज, देखते रह गए**

उनकी वजह से ही राजस्थान की टीम 151 रन पर रुक पाई। यह आसान रनचेज था और उसमें डिकॉक ने 97 रन बनाए। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कप्तान रियान पराग और ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को आउट किया। वह प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के सबसे बड़े दावेदार थे। मोईन अली ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर संजू सैमसन और नीतीश राणा के बड़े विकेट लिए। इन दोनों की वजह से ही केकेआर को छोटा टारेगट मिले। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह 8वें नंबर पर बैटिंग करते हैं। उनकी बल्लेबाजी इतनी लंबी है कि 151 रन चेज हो ही जाना था। लेकिन टीम की जीत के असली होने मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती थे। प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के हकदार इन दोनों में से कोई एक गेंदबाज था।

## मोईन और वरुण ने किया कमाल

केकेआर से मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने बेहद किफायती बॉलिंग की, दोनों ने 2-2 विकेट भी लिए।गुवाहाटी का बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में चयक्रने बॉलिंग चुनी। राजस्थान ने 9 विकेट खोकर 151 रन बनाए। टीम से ध्रुव जुरेल ने 33 और कप्तान रियान पराग ने 25 रन बनाए। कोलकाता ने 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

### 1. प्लेयर ऑफ द मैच

152 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी चयक्रसे क्विंटन डी कॉक ने तेज बैटिंग की। उनके सामने मोईन अली को खेलने में बड़ी परेशानी हो रही थी, लेकिन डी कॉक ने अपने साथी बैटर्स पर दबाव नहीं बढ़ने दिया। उन्होंने बैटिंग के लिए मुश्किल और धीमी पिच पर 8 चौके और 6 छक्के लगाए। डी कॉक ने महज 61 बॉल पर 97 रन बनाए और टीम को 15 गेंद पर पहले जीत दिला दी।

### 2. जीत के हीरो

**वैभव अरोड़ा-** नई गेंद से वैभव ने बेहतरीन बॉलिंग की और टीम को पहला विकेट दिलाया। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड किया। फिर आखिर में शुभम दुबे को भी कैच कराया।

**मोईन अली-**सुनील नरेन की जगह मैच खेलने उतरे मोईन ने बॉलिंग के 4 ओवर में महज 23 रन दिए। उन्होंने नीतीश राणा और यशस्वी जायसवाल के 2 बड़े विकेट भी लिए।

**वरुण चक्रवर्ती-** केकेआर के मिस्ट्री स्पिनर वरुण ने महज 17 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने राजस्थान के कप्तान रियान पराग और वनिंदु हसरंगा को पवेलियन भेजा।

### 3. फाइटर ऑफ द मैच

राजस्थान से कप्तान रियान पराग ही फाइट दिखाते नजर आए। उन्होंने धीमी पिच पर 3 छक्के लगाए और महज 15 गेंद पर 25 रन बनाए। फिर गेंदबाजी के 4 ओवर में 25 रन ही दिए। हालांकि, उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने केकेआर बैटर्स पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की।

### 4. टर्निंग पॉइंट

कोलकाता के स्पिनर्स ने पहले बॉलिंग करते हुए राजस्थान पर दबाव बनाया। मोईन और वरुण ने 8 ओवर में 40 ही रन दिए और 4 विकेट झटक लिए। बैटिंग में डी कॉक और अंगकृष रघुवंशी की पार्टनरशिप गेमचेंजर रही। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद पर ही 83 रन की पार्टनरशिप कर दी।

### कप्तान रियान पराग ने कहा

170 अच्छा स्कोर रहता। मैंने बैटिंग में बहुत जल्दबाजी की, इसलिए हम 20 रन कम बना सके। हम स्पिन के सहारे क्विंटन को जल्दी आउट करने की कोशिश कर रहे थे। टीम मैनेजमेंट ने मुझे नंबर-3 पर भेजा, इसलिए मैं उनके फैसले से खुश हूं। इस साल हमारे पास युवा टीम है, इसलिए सभी सीख रहे हैं। हम अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश कर रहे हैं।

### कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा

हमने शुरुआती 6 ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की। मिडिल ओवर्स बहुत जरूरी थे, मोईन ने मौके को भुनाया और बेहतरीन बॉलिंग की। वे बैटिंग में नहीं चले, लेकिन उनके प्रदर्शन से खुश हूं। इस फॉर्मेट में हम चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें। बॉलर्स को पूरा क्रेडिट जाता है, जिन्होंने विकेट लेने पर ही ध्यान दिया।

## केएल राहुल अगला मैच खेल सकते हैं

### दिल्ली कैपिटल्स के लिए पहला मैच नहीं खेले ; 24 मार्च को पिता बने थे

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** केएल राहुल 30 मार्च को होने वाले दिल्ली कैपिटल्स के अगले मैच खेल सकते हैं। हाल ही में राहुल पिता बने है। 24 मार्च को उनके घर बेटी ने जन्म लिया था। इसकी वजह से वो टूर्नामेंट का पहला मैच नहीं खेल पाए थे।डीसी का दूसरा मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ विशाखापटनम में होने वाला है। केएल राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने नवंबर 2024 में अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी।18 जनवरी को केएल राहुल ने उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह की देहरी से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने यूट्यूब पर दी जानकारी एलिसा हीली ने यूट्यूब चैनल एलआईएसटीएनआर स्पोर्ट्स पर कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि हैरी ब्रूक की जगह कौन आता है। उनके पास केएल राहुल हैं जो शायद पहले कुछ मैच नहीं खेलेंगे।

## आईपीएल में गेंदबाजों की बर्बादी देख अश्विन का छलका दर्द, बोले- पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत

**चेन्नई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अनुभवी खिलाड़ी आर अश्विन ने टी20 फॉर्मेट में गेंदबाजों के सामने आने वाली मुश्किलों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को बहुत फायदा मिल रहा है। टूर्नामेंट के पहले हफ्ते में 200 से कम रन के स्कोर बहुत कम देखने को मिले हैं। अश्विन ने सुझाव दिया कि गेंदबाजों पर लगातार रन रोकने का जो दबाव है, उसके कारण उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की मदद की जरूरत पड़ सकती है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कुछ आईपीएल पिचों पर गेंदबाजों के लिए सफल होना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि पारंपरिक गेंदबाजी की तुलना में फुल टॉस गेंद फेंकना ज्यादा अच्छा तरीका हो सकता है।

पहले हफ्ते के मैचों में ज्यादातर मुकाबले हाई-स्कोरिंग रहे। सिर्फ दो मैचों में 200 से कम रन बने। यहां तक कि कम स्कोर वाले मैचों में भी, एक टीम ने आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया। कई अन्य मैचों में टीमों ने 200 से ज्यादा रन बनाए। कुछ टीमों ने बड़े स्कोर का पीछा किया और कुछ ने ज्यादा रन बनाकर भी मुश्किल से जीत हासिल की। 2024 आईपीएल सीजन में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू होने के बाद, टीमों को एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति मिली। इससे औसत मैच स्कोर बढ़कर 189 रन हो गया। विश्लेषक प्रसन्ना अगोरम की टिप्पणी पर कि गेंदबाज ज्यादा सतर्क हो रहे हैं, अश्विन ने अपनी राय दी। अश्विन ने कहा कि गेंदबाजों को जल्द ही पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत होगी। उन्होंने मजाक में कहा कि कुछ पिचों पर गेंदबाजी करना नामुमकिन हो गया है।

अनुभवी ऑफ-स्पिनर आर अश्विन 9.75 करोड़ रुपये में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्रस्य) में वापस आ गए हैं। 2015 के बाद यह उनकी फ्रेंचाइजी में वापसी है। उन्होंने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 23 मार्च को खेले गए मैच में अश्विन ने चार ओवर में 31 रन देकर एक विकेट लिया। रविचंद्रन अश्विन का अगला आईपीएल 2025 मैच 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ होगा।

# प्राइवेट स्कूलों पर दिल्ली सरकार सख्त, मुफ्त यूनिफॉर्म और किताबें देने के निर्देश

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर दिल्ली सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी निजी स्कूलों को अपनी वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर कम से कम पांच किताब और वर्दी विक्रेताओं की जानकारी प्रदर्शित करने का आदेश दिया है। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि जो निजी स्कूल अभिभावकों को विशेष दुकानों से किताबें और वर्दी खरीदने के लिए मजबूर करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यह आदेश निदेशालय को कुछ निजी स्कूलों के खिलाफ कई शिकायतें मिलने के बाद उठाया गया है। आदेश में कहा गया है कि प्राइवेट स्कूल अभिभावकों को विशेष विक्रेताओं से पुस्तकें, वर्दी और अध्ययन सामग्री खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। स्कूलों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर किताबों और वर्दी के विक्रेताओं तथा विभिन्न दुकानों पर उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदर्शित करनी होगी।

निदेशालय ने स्कूलों को यह भी आदेश दिया है कि एक बार निर्धारित होने के बाद वर्दी के रंग, डिजाइन या किसी भी अन्य चीज में कम से कम तीन वर्षों तक कोई बदलाव न किया जाए। निदेशालय ने अभिभावकों से किसी भी उल्लंघन की सूचना नोडल अधिकारी को देने का आग्रह किया है। उसने दोषी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दाखिला लेने वाले छात्रों पर वर्दी, किताबें और अन्य लेखन सामग्री खरीदने के लिए दबाव डालने और छात्रों से पैसे वसूलने की शिकायत मिलने पर सभी निजी स्कूलों को सख्त चेतावनी दी है। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का संकल्प पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों को निर्देश इस वजह से जारी करना पड़ा है क्योंकि दिल्ली सरकार को छात्रों से वर्दी और किताबें किसी विशेष दुकानदार से खरीदने के लिए बाध्य करने की कई शिकायतें मिल रही थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कई प्राइवेट स्कूल बच्चों को जरूरी सामान देने के लिए अभिभावकों से पैसे की भी मांग कर रहे हैं, जबकि ऐसी हर गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान हैं। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सभी प्राइवेट स्कूलों को किताब, शिक्षा सामग्री और अन्य आवश्यक सामग्री की एक सूची जारी करनी होगी। यह सूची सभी छात्रों और अभिभावकों के लिए सुगमता से उपलब्ध होगी। इसे स्कूल के नोटिस बोर्ड पर और अधिकारिक वेबसाइट पर भी दी जाएगी।

# यमुना को गंदा किया तो होगा ऐक्शन

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
यमुना को प्रदूषित कर रहे उद्योगों पर कार्रवाई की जाएगी। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुनिश्चित किया जाए कि यमुना में सीवर का गंदा पानी या फैक्टरी का केमिकलयुक्त प्रदूषित पानी नहीं डलना चाहिए। गुरुग्राम के मंडलायुक्त आरसी बिढान और फरीदाबाद के मंडलायुक्त संजय जून ने गुरुग्राम के लघु सचिवालय में दोनों जिलों के नगर निगम समेत अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों में इंफ्लूएंट शोधन संयंत्र लगे हैं या नहीं, इसकी जांच की जाए।

जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि ईटीपी सही ढंग से काम कर रहा है। यदि ईटीपी खराब है तो उन उद्योगों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। ईटीपी को दुरुस्त करवाया जाए। राष्ट्रीय हरित अभिकरण (एनजीटी) ने आदेश जारी किए हुए हैं कि यमुना में सीवर का प्रदूषित पानी नहीं डाला जाए। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के सर्वे के मुताबिक करीब 50 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) गंदा पानी बिना शोधित किए यमुना में जा रहा है। ये पानी मानेसर, सेक्टर-34, बहरामपुर, खांडसा, मोहम्मदपुर झाड़सा, दौलताबाद, कादीपुर के औद्योगिक क्षेत्रों से जा रहा है। अधिकांश उद्योगों में ईटीपी नहीं लगे हुए हैं।

गुरुग्राम और फरीदाबाद के मंडलायुक्तों ने मेवात, पलवल, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ में पानी निकासी के बंदोबस्त को लेकर भी चर्चा की। अरावली के नजदीक लगते क्षेत्रों में बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था करने के आदेश दिए। बारिश में इन क्षेत्रों में भारी जलभराव हो जाता है। बैठक में फरीदाबाद के डीसी विक्रम यादव, रेवाड़ी के डीसी अभिषेक मीणा, महेंद्रगढ़ के डीसी डॉ. विवेक भारती भी मौजूद रहे।

# दिल्ली से रोज मेरठ और नोएडा जाने वालों के लिए गुडन्यूज, एनएचएआई लेकर आया सुविधा; होगी बचत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अगर आप नौकरी पेशा हैं और हर दिन मेरठ से दिल्ली, नोएडा आना-जाना है तो एक्सप्रेसवे पर सफर के लिए मासिक पास बनवा सकते हैं। 22 दिन के टोल शुल्क में आप महीने भर सफर कर सकते हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मेरठ से दिल्ली और दिल्ली से मेरठ के बीच सफर के लिए महीने भर का टोल शुल्क 5695 रुपये निर्धारित किया गया है। एनएचएआई ने एक अप्रैल से लागू होने वाले टोल शुल्क को लेकर जो सूचना जारी की है उसमें मासिक पास की भी व्यवस्था है। दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के काशी टोल तक एक्सप्रेसवे पर चार पहिया निजी वाहनों का एक तरफ का टोल शुल्क 170 रुपये है। वहीं 24 घंटे में आने-जाने का टोल 255 रुपये है। महीने भर का टोल शुल्क 5695 रुपये तय किया गया है। अर्थात यदि हर दिन कोई व्यक्ति आना-जाना करेगा तो 22 दिन के टोल शुल्क के बराबर भुगतान करने पर मासिक पास बन जाएगा। काशी टोल प्लाजा के मैनेजर भूपेश त्यागी ने कहा, मासिक पास की व्यवस्था तो अच्छी है, लेकिन लोग फायदा नहीं लेते। इसका कारण है कि दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम में नौकरी करने वाले लोगों के आने-जाने का समय तय नहीं होता।

# जस्टिस वर्मा के घर अधजले नोट वाला एरिया पुलिस ने किया सील

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग के बाद कथित भारी मात्रा में कैश बरामदगी के मामले की जांच के सिलसिले में दिल्ली पुलिस की एक टीम बुधवार को उनके सरकारी आवास पर पहुंची। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास में आग लगने वाले स्थान (स्टोर रूम) और उसके आसपास की जगह को सील कर दिया।

पुलिस ने यह कार्रवाई जांच कमेटी के निर्देश के बाद की है। पुलिस टीम की अगुवाई खुद नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश महाला कर रहे थे। उनके साथ तुगलक रोड के एसीपी वीरेंद्र जैन और कोर्ट के दो-तीन कर्मी भी अंदर गए थे। दिल्ली पुलिस की टीम बुधवार दोपहर करीब 2 बजकर 15 मिनट पर जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर पहुंची। इस टीम ने स्टोर रूम का मुआयना किया, जहां 14 मार्च की रात करीब साढ़े 11 बजे आग लगी थी।

पुलिस टीम ने बताया कि वह जांच कमेटी के निर्देश पर टीम जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर पहुंची है। बता दें कि बीते 14 मार्च की रात करीब 11 बजकर 35 मिनट पर कंट्रोल रूम को वर्मा के आवास पर आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था। दमकल कर्मियों ने रात करीब 11 बजकर 48 मिनट पर काबू पा लिया गया। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने देखा कि आग स्टोर रूम में रखे सामान में आग लगी है। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था। घटना के दौरान कोई हताहत नहीं हुआ था। आग बुझाने के बाद अग्निशमन विभाग के कर्मियों की टीम मौके से चली गई थी। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ उनके अधिकारिक आवास से बड़े पैमाने पर नकदी मिलने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में कहा गया है कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जरूरत है। जस्टिस वर्मा ने इन-हाउस जांच समिति के समक्ष पेश होने से पहले बुधवार को वकीलों की एक टीम से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल, मेनका गुरुस्वामी, अरुंधति काटजू और अधिवक्ता तारा नरूला से कानूनी राय मांगी। उम्मीद है कि इस हफ्ते सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त इन-हाउस समिति के सामने जस्टिस वर्मा उपस्थित हो सकते हैं।